पाठ 14. आइंस्टीन का बड़प्पन

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को व्यवहार-कुशलता से परिचित कराना है। हमें कभी भी दिखावे का जीवन नहीं जीना चाहिए। अपने जीवन में सादगी एवं कर्मठता को अपनाना चाहिए।

पाठ का सारांश

पाठ में विश्व के प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं गणितशास्त्री आइंस्टीन के जीवन पर प्रकाश डाला गया है। विश्वशांति और मानवता के प्रेमी आइंस्टीन सादगी पसंद व्यक्ति थे। वे दिखावे से कोशों दूर थे। उन्होंने बड़े-बड़े शोध करके दुनिया में नाम कमाया, परंतु इस प्रसिद्धि को उन्होंने कभी भी अपने व्यक्तित्व पर हावी नहीं होने दिया। उन्होंने जिस दिन गुरुत्वाकर्षण और विद्युत चुंबकत्व पर काबू रखने के सिद्धांतों की खोज की, उसी दिन उनकी पचासवीं वर्षगाँठ थी। लोग उन्हें बधाइयाँ भेज रहे थे। उन्हें अनेक कीमती उपहार मिले, परंतु उनकी इनमें दिलचस्पी नहीं थी। इन सबका उनकी पत्नी एल्सा ही ध्यान रखती थी। बड़े-बड़े लोग आइंस्टीन को बधाई देने उनके घर आने वाले थे। उनकी पत्नी ने उनकी पुरानी पतलून छुपा दी ताकि वे उसे न पहने। परंतु आइंस्टीन ने उसी पतलून को ढूँढ़कर पहन लिया जिस पर उनकी पत्नी उनसे नाराज होती है। एक ब्रिटिश राजदूत बर्लिन में रहकर भी कभी आइंस्टीन से नहीं मिले इस बात से उनका बेटा दुखी हो गया था। कुछ दिन बाद वे आइंस्टीन से मिले और अपने बेटे की बात उन्हें बताई। आइंस्टीन को लगता था कि उन्होंने तो ऐसा कुछ किया ही नहीं कि उन्हें इतनी ख्याति मिले। अखबारवालों और फोटोग्राफरों से वे दूर भागते थे। वे जगमगाहट की दुनिया से हमेशा दूर रहे। इतनी प्रसिद्धि के बावजूद भी उन्हें सादगी भरा जीवन जीना पसंद था।

अध्यापन संकेत

पाठ पठन से पहले **पठन-पूर्व चर्चा** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न बच्चों से पूछें। उन्हें आइंस्टीन की खोजों और उनके व्यक्तित्व के बारे में बताएँ। प्रत्येक बच्चे से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- बच्चों से कुछ प्रसिद्ध आविष्कारों एवं खोजों के बारे में पूछें।
- उन्हें भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के नाम बताने के लिए कहें।
- विज्ञान संबंधी आविष्कारों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है?
- यदि आप आइंस्टीन के जितने प्रसिद्ध हों तो आप कैसा जीवन बिताना चाहेंगे?
- बच्चों को बताएँ कि हमें दिखावे और झूठी शान की दुनिया से बचना चाहिए और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।